वर्ष-11 | अंक- 06 | भोपाल, 29 सितंबर से 05 अक्टूबर 2025 तक   पृष्ठ-12 | RNI NO. MPHIN/2015/63623

साप्ताहिक

न्यूज क्राइम फाइल

मुल्य- 02 रूपये

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

किसानों को लाभान्वित करेगी भावांतर योजना : मुख्यमंत्री

10 अक्टूबर से शुरू होंगे पंजीयन

भावांतर योजना के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रदेश में ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन का कार्य 10 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 25 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। भावांतर की अवधि 01 नवम्बर से 2025 से 31 जनवरी 2026 तक रहेगी। पंजीकृत कृषक और उनके रकबे के सत्यापन की प्रक्रिया राजस्व विभाग के माध्यम से होगी। किसानों के भावांतर की राशि पंजीयन के समय दर्ज बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित की जाएगी।

उदय प्रताप सिंह चौहान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में सोयाबीन उत्पादक किसानों के हित में प्रारंभ की जा रही भावांतर योजना को लागू करने के लिए जिला स्तर पर प्रशासनिक अमले को दायित्व दिए जाएं। इस योजना की विशेषताओं को प्रत्येक स्तर पर प्रचारित किया जाए, जिससे अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिले। सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि योजना के प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म का भी उपयोग करें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अन्नदाताओं की चिंता कर सोयाबीन को निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूलय 5328 रूपए प्रति क्विंटल निर्धारित की है। मध्यप्रदेश सरकार किसानों को उनके उत्पादन का मूल्य दिलवाने के लिए प्रतिबद्ध है। जिस तरह धान और गेहूं पर किसानों को उनके परिश्रम की कीमत दिलवाने का कार्य किया गया है, उसी तरह सोयाबीन उत्पादक किसानों को भी लाभ दिलवाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए लागू की जा रही भावांतर योजना के संबंध में शुक्रवार को समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा कलेक्टर्स को निर्देशित कर रहे थे। वीडियो कांफ्रेंस में वरिष्ठ विधायक और प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल भी उपस्थित थे। वीडियो कॉन्फ्रेंस में विभिन्न मंत्री, सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, उच्च शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, संबंधित वरिष्ठ अधिकारी, समस्त कलेक्टर्स-कमिश्नर्स, राजस्व और कृषि विभाग के अधिकारी भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी कलेक्टर्स किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलवाने के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। किसी भी स्तर पर गड़बड़ी नहीं होना चाहिए। हितग्राही को सीधा लाभ मिलना चाहिए। सभी के प्रयासों से भावांतर योजना पूर्णता सफल होगी।

भावांतर योजना, एक नजर में

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के अंतर्गत अधिसूचित तिलहनी फसल के लिए भावांतर योजना वर्ष 2018-19 से लागू की गई है। भारत सरकार ने घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तथा राज्य के मंडी के मॉडल भाव/विक्रय मूल्य अंतर की राशि कृषकों को दिलवाने का प्रावधान किया है। किसान पूर्व की तरह अपनी उपज मंडियों में बेचेंगे। एमएसपी और मंडी का मॉडल भाव/विक्रय मूल्य के बीच के अंतर की राशि का किसान को डीबीटी से भुगतान किया जायेगा। किसान द्वारा ई-पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य होगा। उदाहरण के लिए किसान का उत्पादन मॉडल भाव 4600 रूपए पर हुआ है तो समर्थन मूल्य 5328 में से शेष अर्थात् भावांतर राशि 628 रूपए प्रति क्विंटल राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए जाएंगे। किसान को समर्थन मूल्य बराबर ही राशि प्राप्त होगी। यदि किसान की उपज का विक्रय मूल्य एमएसपी से कम है परंतु राज्य के औसत मॉडल प्राइज के समतुल्य है, ऐसी स्थिति में भी किसान को एमएसपी और बिक्री मूल्य के भावांतर की राशि प्रदान की जाएगी। तीसरी स्थिति में कृषि उपज का विक्रय मूल्य राज्य के औसम मॉडल प्राइस से कम होने की दिशा में किसान को एमएसपी और घोषित औसत मॉडल प्राइस के भावांतर की राशि प्रदान की जाएगी। प्रत्येक स्थिति में किसान का लाभ सुनिश्चित किया जाएगा।

ये जनप्रतिनिधि जुड़े वीसी से

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़े अनेक जनप्रतिनिधियों ने इस योजना को प्रारंभ करने की पहल के लिए बधाई दी। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री श्री गौतम टेटवाल, सांसद खण्डवा श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक जावरा श्री राजेन्द्र पांडे, विधायक खातेगांव श्री आशीष शर्मा, विधायक बागली श्री मुरली भंवरा, विधायक करैरा श्री रमेश खटीक, विधायक सुवासरा श्री हरदीप सिंह डंग, विधायक शाजापुर श्री अरूण भीमावद, विधायक आगर श्री मधु गेहलोत, विधायक नागदा खाचरौद श्री तेज बहादुर सिंह चौहान सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को धन्यवाद देते हुए कहा कि किसानों को सोयाबीन उत्पादन का पूरा लाभ मिलेगा। निश्चित ही यह सही समय पर उठाया गया सही कदम है।

सेवा पखवाड़े और अंत्योदय उत्सव को सफल बनाएं जनप्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं श्री हेमंत खण्डेलवाल ने प्रदेश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से प्रारंभ होकर गांधी/शास्त्री जयंती 02 अक्टूबर तक हो रहे सेवा पखवाड़े, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती 25 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक स्वदेशी जागरण सप्ताह और 22 सितम्बर से आगामी दीपावली तक निरंतर चलने वाले जीएसटी उत्सव की गतिविधियों को सफल बनाने का आग्रह, जनप्रतिनिधियों से किया।

मुख्यमंत्री के प्रमुख निर्देश

सभी आवश्यक व्यवस्था की जाएं। कलेक्टर और संबंधित अधिकारी किसानों का हित निश्चित करें। अधिकारियों को क्षेत्रवार दायित्व दिए जाएं। भावांतर योजना के क्रियान्वयन को प्राथमिकता दें। जिला स्तर पर नियमित समीक्षा भी हो। किसानों को सही दाम मिले, इसकी मॉनिटरिंग हो। भावांतर योजना किसानों के हित में है, इसका प्रचार-प्रसार किया जाये। सभी जनप्रतिनिधि सोशल मीडिया से प्रचार में भी सहयोग करें।

पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्म जयंती के अवसर पर जिला सागर में आयोजित 'गोष्ठी' में सहभागिता हेतु सागर पधारे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय डॉ. मोहन यादव जी का सागर आगमन पर हेलीपैड पर आत्मीय स्वागत किया।

गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

ग्रीन और क्लीन सिटीज के निर्माण की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से बढ़ रहे हैं आगे

शहरीकरण आज की सबसे बड़ी जरूरत : मुख्यमंत्री

न्यूज क्राइम फाइल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शहरीकरण आज की सबसे बड़ी जरूरत है। नागरिकों का जीवन और अधिक सरल, सहज और सुविधा सम्पन्न बनाना ही हमारा लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं नागरिकों और समाज को न केवल मजबूत करती है बल्कि उन्हें जिम्मेदार भी बनाती हैं। इसी दिशा में प्रदेश सरकार लगातार कदम बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के शहरों का विकास उनकी तासीर और विशिष्ट पहचान के अनुरूप किया जा रहा है। शहरों के विकास में हम वहां की पुरा-धरोहरों और विरासतों का भी ध्यान रख रहे हैं। ग्रीन और क्लीन सिटीज के निर्माण की दिशा में हम योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। अर्बन डेवलपमेंट के लिए कार्बन उत्सर्जन पर पूर्ण रोक लगाना एक बिग टास्क है। इन सभी चुनौतियों को पार करते हुए नागरिकों को स्वच्छ परिवेश देने के लक्ष्य पर आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को भोपाल में एक मीडिया समूह द्वारा आयोजित अर्बन ट्रांसफार्मेशन समिट-2025 को संबोधित कर रहे थे।

मेट्रो ट्रेन के साथ फ्लाई ओवर ब्रिज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बड़े शहरों में मेट्रोपोलिटन सिटी रीजन की परिकल्पना के साथ सभी प्रमुख नगरों में मेट्रो ट्रेन सेवा और बड़े फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है, जिससे पब्लिक ट्रांसपोर्ट को सरल और आधुनिक बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्मार्ट सिटीज का निर्माण कर लोगों की नई पीढ़ी की जरूरतें पूरी की जा रही हैं। इन सभी प्रयासों से प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में विकास की नई धारा बहेगी और नागरिकों का जीवन और अधिक सुखद एवं सुरक्षित बनेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में शहरी विकास की योजनाओं का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन हो रहा है। हमारा इंदौर लगातार 8 वर्षों से देश का सबसे स्वच्छ शहर है, हमारे अन्य प्रमुख शहर जैसे भोपाल, जबलपुर, उज्जैन और ग्वालियर भी डिजिटल सु-शासन, गतिशीलता और ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देते हुए उत्कृष्ट शहरों के रूप में उभरे हैं। प्रदेश में अफॉर्डेबल हॉउसिंग के अंतर्गत 8.56 लाख आवासों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है, जिनमें से लगभग 7.75 लाख (82 प्रतिशत) आवास परिवार की महिलाओं या संयुक्त नाम से हैं। हमने लगभग 10 लाख नये घरों का निर्माण करने का लक्ष्य रखा है, जिस पर 50 हजार करोड़ का निवेश होना संभावित है। अमृत योजना 2.0 में सभी नगरीय निकायों को शामिल किया गया है। योजना के अंतर्गत जल आपूर्ति में 5869 करोड़ रुपये की 297 परियोजनाओं में से 3450 करोड़ रुपए की 224 परियोजनाओं के कार्य प्रारंभ हो चुके हैं। सीवरेज की 4932 करोड़ रूपये की 36 परियोजनाओं में से 1312 करोड़ रुपये की 04 परियोजनाओं के कार्य प्रारंभ हो गया है, इससे प्रदेश की लगभग 60 प्रतिशत शहरी आबादी लाभान्वित होगी। प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों के संभावित विस्तार के दृष्टिगत हमारी सरकार द्वारा %मध्यप्रदेश मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र नियोजन और विकास अधिनियम, 2025 को मंत्रि-परिषद से स्वीकृति भी मिल गई है।

धमकी- आधा भोपाल मेरे नाम से डरता है...

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष के बेटे का वीडियो; दो युवकों को घर बुलाकर गालियां दी, समर्थकों ने पीटा

न्यूज क्राइम फाइल

नरसिंहपुर जिले में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नर्मदा प्रसाद प्रजापति के बेटे नीर प्रजापति का एक वीडियो शुक्रवार को सामने आया है। इसमें वह दो युवकों को गाली देते और धमकाते नजर आ रहा है। ये घटना 10 सितंबर की बताई जा रही है। वीडियो में नीर उसके सामने हाथ बांधकर खड़े दो युवकों से उंगली दिखाकर कह रहा है कि आधा भोपाल मेरे नाम से डरता है ।गली-गली जाकर मैं अकेले लोगों को मारता हूं। वीडियो में इसी दौरान एक युवक आकर उन दोनों युवकों की पिटाई शुरू कर देता है। जिसके बाद वहां मौजूद नीर समेत अन्य लोग बीच बचाव करते हैं। जिन दो युवकों की पिटाई की गई, वे नरसिंहपुर शहर के ही रहने वाले हैं।

चचेरे भाई से होटल में हुआ था झगड़ा

बताया जा रहा है कि बीते दिनों इन दोनों युवकों का एक होटल में नीर प्रजापति के चचेरे भाई अमित प्रजापति उर्फ अम्मू से झगड़ा हुआ था। इसी विवाद के चलते नीर और उनके परिजन ने इन दोनों युवकों को अपने घर बुलाया था।

एएसपी बोले- घटना की जानकारी नहीं

मामले में एएसपी संदीप भूरिया ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं है। उन्होंने वीडियो भेजने पर जांच करने की बात कही है।

वर्ष 2017 में हम GST लाए, आर्थिक मजबूती का काम किया और
वर्ष 2025 में फिर से लाए, फिर आर्थिक मजबूती करेंगे।
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

भोपाल के बड़े तालाब में मिला लापता युवक का शव

बड़ा भाई बोला- हत्या का शक, सालों के साथ घूमने का बोलकर घर से निकला था

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के बड़े तालाब में दो दिन से लापता युवक का शव शुक्रवार की दोपहर को मिला है। मृतक की पहचान कर ली गई है। बॉडी को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक चुन्नू खान पिता काले खान (30) हरी मजार के पास करोंद का रहने वाला था। वे कारपेंटरी का काम करता था। मृतक के बड़े भाई फरीद ने बताया कि बुधवार की दोपहर को एक बजे घर से निकला था। रिश्ते के साले मुजाहिद और शोएब के पास जाने का बोलकर गया था। चुन्नू की पत्नी रेहाना का कॉल मेरे पास आया। बताया कि पति कॉल नहीं उठा रहे हैं। उसे अनहोनी की आशंका थी। रेहाना ने फरीद से कहा कि शोएब और मुजाहिद इकबाल मैदान के पास हैं। भाई तलाश करता हुआ वहां पहुंचा तो शोएब मिल भी गया। चुन्नू के संबंध में शोएब ने किसी भी तरह की जानकारी देने से इनकार कर दिया और वहां से चला गया। फरीद का आरोप है कि मुजाहिद और शोएब आए दिन भाई पर अड़ीबाजी करते थे। मारपीट करते थे, उन्हें पूरा यकीन है कि दोनों ने सुनियोजित ढंग से हत्या के बाद बॉडी को तालाब में फेंका है।

पत्नी की शिकायत पर गुमशुदगी दर्ज हुई थी

पत्नी रेहाना की आखिरी बार पति चुन्नू से बात हुई तब उसने अपनी लोकेशन इकबाल मैदान के पास होना बताया। लिहाजा रेहान की शिकायत पर तलैया पुलिस ने चुन्नू की गुमशुदगी दर्ज कर ली थी।

तालाब में मिला लापता युवक का शव

चुन्नू का शव शुक्रवार की दोपहर को वीआईपी रोड स्थित बड़े तालाब से मिला है। परिजनों से उसकी शिनाख्त कराने के बाद पुलिस ने बॉडी को पीएम के लिए रवाना किया। शुक्रवार की दोपहर को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीडब्लूडी बाबू 5 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ाया

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल लोकायुक्त टीम ने लोक निर्माण विभाग के सहायक ग्रेड-3 कर्मचारी कमलेश मालवीय को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी सेवानिवृत्त कर्मचारी से स्वत्वों और उपादानों के भुगतान के एवज में 10 हजार रुपए की मांग कर रहा था।

सेवानिवृत्ति पर रोका भुगतान

जानकारी के अनुसार फरियादी दुर्गाप्रसाद विश्वकर्मा 31 अगस्त 2025 को लोक निर्माण विभाग, उप संभाग-2 से वेल्डर पद से सेवानिवृत्त हुआ था। सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले स्वत्वों और अन्य भुगतानों की प्रक्रिया पूरी कराने के लिए विभागीय बाबू कमलेश मालवीय ने 10 हजार रुपए रिश्वत मांगी। पहली किश्त के तौर पर 5 हजार रुपए तय किए गए थे।

मंदिर तिराहे पर रंगे हाथ पकड़ा

फरियादी ने मामले की शिकायत लोकायुक्त पुलिस से की। सत्यापन के बाद शुक्रवार की शाम लोकायुक्त की टीम ने झरनेश्वर मंदिर तिराहा, 12 दफ्तर के पास आरोपी को पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। मौके से रिश्वत की राशि भी बरामद कर ली गई।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में FIR

लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी कमलेश मालवीय के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधन 2018) की धारा-7 के तहत मामला दर्ज किया है। टीम आगे की पूछताछ और कार्रवाई में जुटी है।

1 अक्टूबर से नो-व्हीकल जोन होगा भोपाल का वन विहार

टूरिस्ट अपनी गाड़ियां लेकर नहीं जा सकेंगे; 40 गोल्फ कार्ट से घूम सकेंगे

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क में 1 अक्टूबर से आप अपनी कार या मोटरसाइकिल से नहीं जा सकेंगे। वन विहार नो-व्हीकल जोन होने वाला है। अंदर घूमने के लिए 40 गोल्फ कार्ट की व्यवस्था की गई है। वन विहार में घूमने आने वाले टूरिस्ट कई बार अपनी गाड़ियों के हॉर्न तेज आवाज में बजाते हैं। इससे अन्य पर्यटकों के साथ जानवर भी परेशान होते हैं। इसलिए वन विहार प्रबंधन यह कदम उठाने जा रहा है।

हर 10 मिनट में मिलेंगे गोल्फ कार्ट

वन विहार की असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. रूही हक ने बताया, वन विहार में भ्रमण के लिए 40 गोल्फ कार्ट का संचालन किया जाएगा। इन गोल्फ कार्ट में से 32 गोल्फ कार्ट हॉप ऑन हॉप ऑफ पद्धति संचालन के लिए रहेंगे। वहीं, 8 गोल्फ कार्ट (6 सीटर) पूर्ण रूप से 3 घंटे के लिए बुकिंग पर पर्यटकों को उपलब्ध रहेंगे। गोल्फ कार्ट का संचालन दोनों गेट से 10 मिनट पर लगातार होगा। सभी व्यू पाइंट पर 30 सेकेंड से 1 मिनट के लिए रुकेंगे। इससे पर्यटकों को अपनी स्वेच्छानुसार व्यू पाइंट पर वन्यप्राणियों को देखने का पर्याप्त समय मिलेगा।

साइकिल से भी घूम सकेंगे

गोल्फ कार्ट के अलावा पैदल भ्रमण, साइकिल, शाकाहारी सफारी की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इस बदलाव से वन विहार में पर्यटकों को सशुल्क 150 नई साइकिलें भी उपलब्ध कराएगा। जिससे वन विहार भ्रमण और सुगम बनेगा।

अलग-अलग रंग के बैंड भी मिलेंगे

विभिन्न प्रकार के माध्यम से भ्रमण करने हेतु पर्यटकों को विभिन्न रंग के बाइओडिग्रेडबल बैंड भी दिए जाएंगे। जिससे किसी भी भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो।

पार्किंग के लिए रुपए चुकाने होंगे

वन विहार को जहां नो व्हीकल जोन बनाया जा रहा है तो पार्किंग के रूप में पर्यटकों को रुपए भी चुकाने होंगे। चार पहिया वाहनों की पार्किंग के लिए केवल प्रवेश द्वार नंबर-2 पर पार्किंग स्थल बनाया गया है। टूव्हीलर्स के लिए गेट नंबर-1 और 2 दोनों पर ही व्यवस्था रहेगी।

बांसवाड़ा में पीएम-कुसुम योजना के लाभार्थियों से संवाद में यह जानकर मन को बहुत संतोष हुआ कि इस पहल से उनकी आय में काफी बढ़ोतरी हुई है।
हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा मप्र, विधायक- बैतूल

संवाद से समाधान तकः लेह-लद्दाख में हिंसा का सबक

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा देने व संविधान के अंतर्गत विशेष संरक्षण देने वाली छठी अनुसूची में शामिल करने के लिये चल रहे आंदोलन का हिंसक एवं विध्वंसक होना, विरोध प्रदर्शन, पुलिस के साथ झड़प और आगजनी की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ-साथ चिन्ताजनक है। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्र हुए और उन्होंने लेह में भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में आग लगा दी और उसके बाहर खड़े वाहनों को फूंक दिया। आमतौर पर बेहद शांत रहने वाले लद्दाख के लिए यह बहुत बड़ी घटना है। दरअसल, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक दो सप्ताह से अनशन पर थे, उनके साथ अन्य कार्यकर्ता भी अनशनरत थे, जिनकी तबीयत बिगड़ने से जन-आक्रोश एवं हिंसा भड़की। इस हिंसा ने अनेक सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर यह घटना वहाँ की जनता के असंतोष और बेचैनी को उजागर करती है, वहीं दूसरी ओर यह संकेत देती है कि लंबे समय से किए जा रहे वादे और आश्वासन क्यों अधूरे रह गए और क्यों स्थानीय लोग स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं? सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए के प्रावधान हटाने के साथ ही जम्मू-कश्मीर से अलग कर लद्दाख को केंद्र शासित राज्य बनाया था। तब सरकार ने वादा किया था कि हालात सामान्य होते ही पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। लोगों ने सोचा था कि अब उनकी पहचान, संस्कृति और स्थानीय अधिकार और अधिक सुरक्षित होंगे। लेकिन इसके विपरीत उनकी आशंकाएँ बढ़ीं। उन्हें लगा कि संघ शासित प्रदेश के रूप में दिल्ली से संचालित प्रशासन स्थानीय जरूरतों और

आकांक्षाओं को समझने और पूरा करने में असफल हो रहा है। इसी कारण 6 साल बाद लोगों का भरोसा और सब्र डगमगाने लगा। इसी के चलते सोनम वांगचुक को अहिंसक आन्दोलन का रास्ता अख्तियार करना पड़ा, जो कतिपय कारणों से हिंसक हो गया। हालांकि, हिंसा के बाद वांगचुक ने अपना अनशन त्याग कर आंदोलनकारियों से शांति की अपील की है। उन्होंने कहा है कि इस तरह की हिंसा से शांतिपूर्ण आंदोलन का मेरा संदेश आज विफल हो गया। अगर युवा गलत रास्ते पर जाएंगे, तो इससे हमारे वास्तविक उद्देश्य गुम हो जायेंगे। वाकई, लद्दाख के संयमी समाज को सतर्कता और संवेदनशीलता का परिचय देना चाहिए। वांगचुक का पूरा आंदोलन अहिंसक रहा है। सरकार से मतभेद होने पर भी उन्होंने बातचीत का रास्ता नहीं छोड़ा। उनके समर्थन में खड़े युवाओं को इसे समझना चाहिए। हिंसा से समस्या जटिल हो जाएगी। लद्दाख की जो भौगोलिक स्थिति है, उसे देखते हुए वहां के लोगों को कानून-व्यवस्था के प्रति विशेष रूप से सजग रहना चाहिए। लद्दाख का केंद्रशासित प्रदेश बनना एक नये सूरज का उदय होना है और इसका वहां के लोगों ने स्वागत भी किया था। इस क्षेत्र को कश्मीर घाटी के वर्चस्व से मुक्ति मिली थी, पर वहां के लोगों की महत्वाकांक्षा को राजनीति रंग देकर एवं संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के अंधेरों में धकेल कर इसके वास्तविक उद्देश्यों को धुंधलाने की कुचेष्टा की गई है। हिंसा व आगजनी के बाद केंद्र शासित प्रदेश में संचारबंदी लागू की गई है। मीडिया माध्यमों से कुछ आंदोलनकारियों के मारे जाने की बात भी कही जा रही है। प्रतिक्रिया स्वरूप लेह बंद का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। यह प्रदर्शन कालांतर हिंसक प्रतिरोध में बदल गया। घटनाक्रम के बाद जम्मू-कश्मीर के विपक्षी दलों ने हिंसा के लिये केंद्र को निशाने पर लिया है। कहा गया कि आंदोलनकारी लेह की अस्मिता को संरक्षण देने और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र व लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच आगामी 6 अक्टूबर, 2025 को एक वार्ता का दौर निर्धारित था, जिसमें लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के सदस्य शामिल होने वाले हैं। जब बातचीत होने ही वाली है, तो ऐसे विरोध प्रदर्शन की क्या जरूरत थी? लेह के लोग अधूरे वायदों से खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और उनमें यह डर है कि अगर शासन उनके हाथ में न रहा तो प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन होगा। इसी वजह से आंदोलनकारियों की हिंसक अभिव्यक्ति सामने आई है। वास्तव में, यह पूरा आंदोलन राजनीतिक प्रवृत्ति का है। इस प्रदर्शन को साफ तौर पर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है। कहा जा रहा है कि ताजा विरोध-प्रदर्शन केन्द्र से बातचीत को अनुकूल दिशा में ले जाने की रणनीति का हिस्सा है।

संपादकीय

मिग-21 की विदाई सिर्फ एक युग का अंत नहीं...

भारतीय वायु सेना ने आज अपने प्रतिष्ठित मिग-21 लड़ाकू विमानों को रिटायर कर दिया। इस समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी सहित वरिष्ठ सैन्य अधिकारी उपस्थित थे। यह दिन भारतीय वायुसेना के इतिहास में एक युग के अंत का प्रतीक है, क्योंकि मिग-21 ने 1963 से अब तक देश की वायु सुरक्षा की रीढ़ के रूप में सेवा दी। हम आपको बता दें कि मिग-21 विमानों को भारतीय वायु सेना में शामिल किए जाने के समय यह अपनी तकनीक और गति के लिए विश्व के सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों में गिना जाता था। शुरू में यह मुख्यत: इंटरसेप्टर के रूप में कार्य करता था, यानी दुश्मन के विमानों को रोकने और वायु क्षेत्र की रक्षा करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। अलग-अलग अपग्रेड और नए संस्करणों के माध्यम से मिग-21 ने कई युद्धों में अपनी उपयोगिता साबित की, जिनमें 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्ध, और 1999 का कारगिल संघर्ष शामिल हैं। भारत ने अब तक 700 से अधिक मिग-21 विमानों को विभिन्न वेरिएंट्स में खरीदा। सबसे आधुनिक बायसन संस्करण में आधुनिक अवियोनिक्स, रडार और उन्नत मिसाइलें शामिल थीं। हालांकि, विमानों के एक इंजन वाले होने और पुराने इंजन की समस्याओं के कारण मिग-21 ने वर्षों में कई दुर्घटनाओं का सामना किया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 60 वर्षों में 500 से अधिक मिग-21 क्रैश हुए, जिनमें कम से कम 170 पायलटों की जान गई। इसके बावजूद, वरिष्ठ ङ्कस्न अधिकारी मानते हैं कि इतने लंबे समय तक उड़ान भरने वाले विमानों के लिए इसका सुरक्षा रिकॉर्ड अपेक्षाकृत संतोषजनक रहा। हम आपको यह भी बता दें कि मिग-21 के सेवानिवृत्त होने के बाद, भारतीय वायुसेना की फाइटर स्क्वॉड्रन संख्या घटकर 29 रह गई है, जबकि इसकी मानक संख्या 42 स्क्वॉड्रन है। यह कमी भविष्य में दो-सीमाओं पर संभावित संघर्ष के समय एक गंभीर चुनौती बन सकती है। पाकिस्तान की अनुमानित 20-25 स्क्वॉड्रन और चीन की 60 से अधिक स्क्वॉड्रन क्षमता के मुकाबले यह अंतर स्पष्ट है। इस समय वायुसेना का ध्यान मुख्य रूप से मजबूत वायु रक्षा प्रणालियों और सतह से हवा तक एवं सतह से सतह तक के हथियारों के सुदृढ़ीकरण पर है। इसी कारण, भारत ने रूसी स्-400 मोबाइल मिसाइल सिस्टम को अपनाया और स्वदेशी आकाश-तीर वायु रक्षा प्रणाली का विकास किया। भविष्य की तैयारी को देखें तो वायुसेना अपनी घटती फाइटर शक्ति को पूरा करने के लिए स्वदेशी और विदेशी विमानों का मिश्रित मॉडल अपनाने जा रही है। तेजस स्न्द्म1 ।रुद्वारा निर्मित है, इसमें श्व्रू रडार, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट और बीवीआर क्षमताओं वाली मिसाइलें शामिल हैं। इसके अलावा तेजस Mkw और U AMC भविष्य के पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ विमानों के रूप में अगले दशक में सेवा में शामिल होंगे। साथ ही 114 विमानों की खरीद में Dassault Rafale प्रमुख दावेदार है। कुछ विमानों को तुरंत प्राप्त किया जाएगा और बाकी भारत में HAL और Dassault की साझेदारी में बनाए जाएंगे। इसके अलावा, Su-x®MKI विमानों के Super-30 प्रोग्राम के तहत 84 विमानों का उन्नयन किया जाएगा। हम आपको यह भी बता दें कि ङ्कस्न की नई तकनीक और विमानों की डिलीवरी में लगातार देरी रही है। मिग-21 का लंबे समय तक संचालन इसी कारण संभव हुआ। तेजस स्न्द्म1 के पहले विमानों की डिलीवरी में भी स् से इंजन प्राप्ति और रडार तथा हथियार एकीकरण में देरी आई।

कैलाश विजयवर्गीय अपनी सोच, भाषा और भावना से मातृशक्ति का कई बार अपमान कर चुके हैं!
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

मछली परिवार मामले की हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

राज्य सरकार ने जबाव किया पेश,कहा-कानून के दायरे में रहकर की गई कार्रवाई;फैसला सुरक्षित

न्यूज क्राइम फाइल

यौन शोषण और ड्रग्स तस्करी के आरोपी भोपाल के मछली परिवार के घर ढहाने और बैंक खाते को फ्रीज को लेकर शुक्रवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। भोपाल कलेक्टर,एसडीएम,डीसीपी क्राइम सहित तीनों निजी बैंक के अधिकारी कोर्ट में पेश हुए। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से हाईकोर्ट में जबाव पेश करते हुए बताया कि कानून के दायरे में रहकर ही कार्रवाई की गई है। जस्टिस विशाल मिश्रा की कोर्ट ने राज्य सरकार से विस्तृत जबाव मांगते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया है। केस की अगली सुनवाई अब 13 अक्टूबर को होगी। मछली परिवार की साजिदा-बी के साथ 9 अन्य सदस्यों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए बताया था कि सरकार ने कार्रवाई के दौरान संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है, जिसे लेकर यह याचिका दायर की गई है। दरअसल भोपाल के आनंदपुरा में रहने वाली साजिदा बी एवं अन्य 7 लोगों की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए बताया गया कि उनके नाम एफआईआर में नहीं है और न ही उनके खिलाफ कोई अपराधी की जांच चल रही है। इसके बावजूद भी यासीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज होते ही उनकी संपत्ति तोड़ी गई, बैंक खाता भी फ्रीज किए गए। यहां तक कि उनके ईमेल भी ब्लॉक कर दिए गए।

अभियुक्त नहीं फिर भी घर तोड़ा

याचिकाकर्ता की और से बताया गया कि किसी आपराधिक मामले में अभियुक्त नहीं हैं फिर भी उनके घरों को तोड़ा गया। 21 अगस्त 2025 को जब प्रशासन ने संपत्ति ध्वस्त करने को लेकर कार्रवाई की थी तो कोई भी वैद्य नोटिस या उचित प्रक्रिया नहीं अपनाई गई थी। याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि अन्य सरकारी जमीन पर रह रहे हैं, लेकिन केवल उन्हें ही निशाना बनाया गया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि बिना अभियोग के घरों को तोड़ना, बैंक खाता सीज करना और हथियार लाइसेंस निलंबित करना संवैधानिक अधिकारों का हनन है।

युवक की छाती में घुसी फावड़े की रॉड

न्यूज क्राइम फाइल

हरदा के 23 वर्षीय कामतारा की जिंदगी उस वक्त खतरे में पड़ गई, जब निर्माण स्थल पर काम करते हुए वह गिर पड़ा और फावड़े में लगी लोहे की रॉड उसकी छाती के दाहिने हिस्से को भेदते हुए अंदर तक धंस गई। घटना के बाद घायल युवक को नजदीकी अस्पताल में केवल दर्द की गोली देकर सीधे एम्स भोपाल रेफर कर दिया गया। गुरुवार-शुक्रवार दरमियानी रात एम्स भोपाल पहुंचते ही युवक की नाजुक हालत को देखते हुए उसे कृत्रिम श्वास यंत्र (वेंटिलेटर) पर रखा गया। डॉक्टरों ने तुरंत कोड ट्रॉमा सक्रिय किया। जिसके तहत ऑपरेशन थिएटर और ब्लड बैंक को जल्द से जल्द पूरी व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। इमरजेंसी एवं ट्रॉमा विभाग के एचओडी डॉ. यूनुस खान पहुंच और आपातकालीन सर्जरी करने का फैसला लिया। जिसके बाद पूरी टीम तैयारी में जुट गई। करीब डेढ़ घंटे तक चले ऑपरेशन में मरीज की दाहिनी छाती को सावधानीपूर्वक खोला गया और धंसी हुई छड़ को बाहर निकाला गया। सर्जरी के दौरान यह भी सामने आया कि धातु की छड़ से मरीज के दाहिने फेफड़े को भी चोट पहुंची है। डॉक्टरों ने फेफड़े की इस गंभीर चोट भी प्रोसीजर के दौरान ही ट्रीट कर दी गई। जिससे इंटरनल ब्लीडिंग का खतरा खत्म हो गया। ऑपरेशन के तुरंत बाद मरीज को गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में शिफ्ट किया गया, जहां डॉक्टरों की टीम लगातार उसकी निगरानी कर रही है। फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441

website: www.newscrimefile.com

email: newscrimefile@yahoo.com

किसानों का कल्याण प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।
मोहन यादव, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

अब मंत्री शाह बोले-विधायक मेरी बहन क्या मैं चुंबन लूंगा

विजयवर्गीय ने कहा-मैंने विदेशी संस्कृति की बात की, मैं भी बहन का माथा चूमता हूं

न्यूज क्राइम फाइल

आज के हमारे प्रतिपक्ष के नेता ऐसे हैं कि अपनी जवान बहन को बीच चौराहे पर चुंबन करते हैं। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि आप में से कौन हैं, जो अपनी जवान बहन-बेटी को बीच चौराहे पर चुंबन करता है। ये संस्कारों का अभाव है। ये संस्कार तो विदेशी संस्कृति के हैं। गुरुवार को शाजापुर में दिए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के इस बयान पर बवाल मचा तो उन्होंने कहा- मैं भी अपनी बहन का सिर चूमता हूं। मैं रिश्ते की पवित्रता पर सवाल नहीं उठा रहा। मैंने भारतीय संस्कृति और विदेशी संस्कृति की बात की है। मंत्री विजय शाह ने विजयवर्गीय के बयान का समर्थन किया है। खंडवा में उन्होंने बगल में बैठी विधायक कंचन तनवे की ओर इशारा करते हुए कहा कि ये मेरी सगी बहन भी हैं तो क्या मैं सार्वजनिक रूप से चुंबन लूंगा। यह हिंदुस्तानी संस्कृति और सभ्यता नहीं सिखाती है। इधर, कांग्रेस ने विजयवर्गीय के बयान के खिलाफ प्रदेश के कई शहरों में प्रदर्शन किया। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने खरगोन में कहा- कैलाश विजयवर्गीय ने जिस तरह की घृणित टिप्पणी की है। ये भारत की संस्कृति, परंपरा और भाई बहन के रिश्ते को चुनौती दी है। विकृत मानसिकता के मंत्री का इस्तीफा होना चाहिए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भोपाल में मंत्री के घर का घेराव किया। इस दौरान पुलिस ने उनकी झूमाझटकी भी हुई। कार्यकर्ताओं ने विजयवर्गीय के पोस्टर पर बनी जीभ पर गंगाजल छिड़क कर %शुद्धिकरण% किया। कांग्रेस का कहना है कि मंत्री का बयान महिलाओं और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का अपमान है। वहीं शाजापुर में भी कांग्रेस ने मंत्री के पुतले फूंके।

मैंने विदेशी और भारतीय संस्कृति की बात कही

अपने बयान पर शुक्रवार को भोपाल में मंत्री विजयवर्गीय ने कहा- मैं किसी रिश्ते की पवित्रता पर प्रश्न चिन्ह नहीं लगा रहा हूं। भारतीय संस्कृति में सभी रिश्ते पवित्र हैं। लेकिन रिश्तों की एक मर्यादा है, मैं उसकी बात कर रहा हूं। मैंने जो कहा वो ये बात है कि विदेशों में ये चलता है। हमारे यहां इस तरह की संस्कृति नहीं हैं। विजयवर्गीय ने पूछा- आप भी पत्रकार हैं। आप अपनी बहन को बीच चौराहे पर आलिंगन करते हैं क्या? हमारे संबंध प्रेम के संबंध हैं। मैं भी अपनी बहन का सिर चूमता हूं। मैं रिश्ते की पवित्रता पर प्रश्न चिन्ह नहीं उठा रहा हूं। मेरा पूरा भाषण सुनते तो यह प्रश्न ही नहीं उठता। मैंने भारतीय संस्कृति और विदेशी संस्कृति की बात की है। विजयवर्गीय ने कहा- मेरा भाषण टुकड़ों-टुकड़ों में लेकर कोई भी बात उठा लेंगे तो यह अच्छी पत्रकारिता नहीं हैं।

मंत्री विजय शाह ने किया विजयवर्गीय का समर्थन

जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा- ये मेरी (विधायक कंचन तनवे की तरफ इशारा करते हुए) सगी बहन भी हैं तो क्या मैं सार्वजनिक रूप से चुंबन लूंगा। यह हिंदुस्तानी संस्कृति और सभ्यता नहीं सिखाती है। मंत्री ने कहा- आप एक बार खुद ट्राय करके देख लिजिए। ये हमारी संस्कृति नहीं है, हमारी सभ्यता, रीति-रिवाज और परंपरा यह नहीं सिखाते हैं और जो सिखाते हैं, अपने घर में करें, चौराहे पर नहीं।

पटवारी बोले- सीएम नहीं बन पाए तो विजयवर्गीय पागल हो गए

कैलाश विजयवर्गीय के बयान पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने उनके इस्तीफे की मांग की है। पटवारी ने कहा- मैं भाजपा की कार्यकर्ता बहनों, नेताओं और देश-प्रदेश के नागरिकों से अनुरोध करता हूं कि ऐसी विकृत मानसिकता के व्यक्ति यदि सत्ता में बैठेंगे तो इस देश की संस्कृति और पारिवारिक पृष्ठभूमि की रक्षा कैसे होगी। कैलाश विजयवर्गीय ने जो टिप्पणी की वो राहुल गांधी पर नहीं बल्कि भारत की प्राचीन संस्कृति और सभ्यता पर टिप्पणी की है।

सेवा पखवाड़ा

सेवा पखवाड़ा, एक पेड़ - माँ के नाम

उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आज भोपाल मध्य विधानसभा के शाहपुरा मंडल में पौधारोपण किया तथा माँ प्रकृति के संरक्षण की दिशा में अधिकाधिक वृक्षारोपण का संकल्प लिया। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जनसेवा, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के दृष्टिकोण से प्रेरित यह अभियान न केवल हरियाली और साफ-सफाई का संकल्प है बल्कि इसका उद्देश्य प्रकृति संरक्षण तथा स्वच्छता को जीवन-शैली एवं संस्कृति बनाना भी है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा सिंह जी, जिलाध्यक्ष श्री रविंद्र यति जी, पूर्व विधायक श्री ध्रुव नारायण सिंह जी, जिला प्रभारी श्री महेंद्र यादव जी, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री विकास वीरानी जी, श्री सुरजीत सिंह चौहान जी तथा जिले एवं मंडल के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ नागरिकगण उपस्थित रहे।

भारत जैसे देश को किसी पर निर्भर रहना अब मंजूर नहीं है। इसलिए भारत को अब आत्मनिर्भर बनाना ही होगा।
प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

मारुति इंडिया दुनिया की 8वीं सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी बनी

कंपनी की मार्केट वैल्यू 5.10 लाख करोड़ पहुंची, मस्क की टेस्ला नंबर-1 पर मौजूद

न्यूज क्राइम फाइल

भारत की सबसे बड़ी कार मेकर कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया अब 57.6 बिलियन डॉलर यानी 5.10 लाख करोड़ रुपए की मार्केट वैल्यू के साथ दुनिया की 8वीं सबसे वैल्यूएबल ऑटोमोबाइल कंपनी बन गई है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी गई है। मारुति सुजुकी ने फोर्ड मोटर, जनरल मोटर्स और फॉक्सवैगन जैसी दिग्गज कंपनियों को पीछे छोड़कर यह मुकाम हासिल किया है। इतना ही नहीं मारुति इंडिया ने अपनी जापानी पेरेंट कंपनी सुजुकी मोटर (?2.57 लाख करोड़) को भी मार्केट वैल्यू में मात दे दी। वहीं दुनियाभर में ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में इलॉन मस्क की कंपनी टेस्ला 1.47 ट्रिलियन डॉलर यानी 130.38 लाख करोड़ रुपए की मार्केट वैल्यू के साथ टॉप पर है।

GST सुधारों से मारुति को फायदा मिला

मारुति सुजुकी भारत में छोटी कारों की बिक्री में 60% से ज्यादा हिस्सेदारी रखती है। वहीं कंपनी को हाल ही में लागू हुए तस्र्झ सुधारों का बड़ा फायदा मिला है। 22 सितंबर को लागू हुए नए तस्र्झ नियमों ने छोटी कारों पर टैक्स कम कर दिया, जिससे मारुति की गाड़ियां और किफायती हो गईं। इसका असर यह हुआ कि कंपनी ने अपनी कई गाड़ियों की कीमतों में 1.30 लाख रुपए तक की कटौती की। मारुति के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (मार्केटिंग एंड सेल्स) पार्थो बनर्जी ने बताया, ऑल्टो च10 में 10.6-20%, एस-प्रेसो में 12.6-24%, सेलेरियो में 8.6-17% और वैगन क्र में 8.7-14% की कमी की गई है। यह त्योहारी सीजन में ग्राहकों के लिए डबल बोनांजा है। नए GST नियमों के बाद से मारुति की बिक्री में जबरदस्त उछाल देखा जा रहा है। कंपनी को हर दिन 15,000 बुकिंग्स मिल रही हैं। खासकर नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर को मारुति ने 30,000 गाड़ियों की डिलीवरी की, जो छोटी कारों की मांग को दर्शाता है।

GST सुधारों के बाद मारुति के शेयर 25% चढ़े

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को अगली पीढ़ी के तस्र्झ सुधारों की घोषणा की थी, जिसके बाद से मारुति के शेयरों में 25त्न की तेजी आई है। 14 अगस्त को जहां मारुति का शेयर 12,936 रुपए पर था, वहीं 25 सितंबर को यह 16,236 रुपए पर पहुंच गया। इस दौरान निफ्टी ऑटो इंडेक्स में करीब 11त्न की बढ़ोतरी हुई, लेकिन मारुति ने इससे कहीं बेहतर प्रदर्शन किया। मारुति सुजुकी की सफलता का बड़ा कारण उसका छोटी कारों पर फोकस और भारत में मजबूत मार्केट पकड़ है। नए तस्र्झ नियमों ने छोटी कारों को और किफायती बनाया है, जिससे ग्राहकों की संख्या बढ़ी है। साथ ही त्योहारी सीजन में बढ़ी मांग और कंपनी की स्ट्रेटेजी ने इसके शेयरों को और बुलंदियों पर पहुंचाया। मारुति की इस उपलब्धि ने न सिर्फ भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का मान बढ़ाया है।

पूर्व रेसलर विनेश फोगाट कर्नाटक पहुंची

राज्य स्तरीय खेलों का उद्घाटन किया, कांग्रेस विधायक ने सीएम सिद्धारमैया की तारीफ की

न्यूज क्राइम फाइल

जींद के जुलाना से विधायक एवं पूर्व रेसलर विनेश फोगाट कर्नाटक पहुंची और वहां राज्य दशहरा सीएम कप खेलों का उद्घाटन किया। इस दौरान कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया समेत दूसरे मंत्री मौजूद रहे और उन्होंने खिलाड़ी के रूप में विनेश फोगाट को सम्मानित किया। विनेश फोगाट ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लिखा कि मुझे कर्नाटक के मैसूर चामुंडी विहार क्रीडांगण में आयोजित राज्य दशहरा सीएम कप क्रीड़ा कूट के उद्घाटन समारोह में खिलाड़ी के रूप में आमंत्रित किया गया। यह मेरे लिए अत्यंत गर्व और सम्मान की बात है।

कर्नाटक सीएम के प्रयास काबिले-तारीफ: विनेश फोगाट

विनेश फोगाट ने लिखा- हजारों खिलाड़ियों का उत्साह, जज्बा और खेल भावना देखकर मन अभिभूत हो गया। खेल के मंच से हमें अनुशासन, संघर्ष और समर्पण की सीख

मिलती है। जीत-हार तो जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन असली मायने खेल भावना और मेहनत के होते हैं। इसके बाद विनेश फोगाट ने लिखा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को विशेष धन्यवाद देना चाहूंगी। उन्होंने जिस दूर दृष्टि और संकल्प के साथ खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में कदम उठाए हैं, वह काबिल-ए-तारीफ है।

खिलाड़ियों से कहा- मेहनत कर देश का नाम रोशन करें

उन्होंने कहा- खिलाड़ियों के लिए आधुनिक खेल सुविधाएं, ओलंपिक की तैयारी के लिए विशेष सहयोग, नकद पुरस्कार और सरकारी नौकरियों में आरक्षण जैसी पहले यह दर्शाती हैं कि वे केवल एक प्रशासक नहीं बल्कि खिलाड़ियों के सच्चे मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत भी हैं। इसके बाद विनेश फोगाट ने खिलाड़ियों को कहा कि मेहनत और लगन से आगे बढ़ें और देश का नाम रोशन करें। वहीं दूसरी तरफ सीएम सिद्धारमैया ने भी अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालते हुए लिखा कि हरियाणा राज्य की विधायक देश की गौरवान्वित पहलवान विनेश फोगाट ने आज मैसूर के चामुंडी विहार स्टेडियम में राज्य दशहरा सीएम कप खेलों का उद्घाटन किया।

भारतीय जनसंघ के संस्थापक व 'एकात्म मानववाद' के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का उनकी जयंती पर वंदन करता हूँ।

केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

इंदौर प्रीमियर को-ऑपरेटिव बैंक ने 132 करोड़ की जानकारी छिपाई

आयकर विभाग ने दो दिन तक बैंक में सर्वे किया, 60 से ज्यादा खातों में गई रकम

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर शहर के इंदौर प्रीमियर को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड में 60 से ज्यादा सोसाइटी और व्यक्तिगत खातों में जमा लगभग 132 करोड़ रुपए की जानकारी बैंक प्रबंधन ने आयकर विभाग को नहीं दी। यह राशि खातों में जमा होने के बाद आयकर अधिनियम के प्रावधानों के तहत विभाग को सूचित किया जाना आवश्यक था। आयकर विभाग की ओर से 24 सितंबर को बैंक के मुख्य कार्यालय में स्पॉट वेरिफिकेशन की कार्यवाही शुरू की गई, जो 25 सितंबर की शाम तक चली। इस दो दिन की जांच में सामने आया कि बैंक ने वित्त वर्ष 2021-22 से 2024-25 तक की अवधि में 60 से अधिक खातों की जानकारी विभाग को साझा नहीं की।

इन खातों में कई अलग-अलग सोसाइटी और व्यक्तिगत खातेदार शामिल हैं। जांच में यह तथ्य सामने आया कि,

कई चालू खातों में 50 लाख रुपए से अधिक नकद जमा किए गए।

बचत खातों में 10 लाख रुपए से अधिक नकद जमा पाए गए।

10 लाख से अधिक के फिक्स डिपॉजिट भी बनाए गए।

इन सभी लेन-देन को मिलाकर कुल राशि लगभग 132 करोड़ रुपए होती है, जिसकी जानकारी (स्टेटमेंट ऑफ फाइनेंस ट्रांजेक्शन) फाइलिंग के माध्यम से आयकर विभाग को दी जानी चाहिए थी।

बैंक प्रबंधन ने कहा- सहयोग करेंगे

बैंक प्रबंधन ने अब इस मामले में आगे हर संभव सहयोग का आश्वासन आयकर अधिकारियों को दिया है। बैंक ने यह भी कहा है कि वह अपनी स्त्रञ्ज फाइलिंग प्रक्रिया में हुई गलतियों को सुधारने के लिए कदम उठाएगा और जिन तकनीकी या प्रणालीगत कारणों से यह चूक हुई, उन्हें जल्द ही आयकर विभाग से संपर्क कर दुरुस्त किया जाएगा। यह स्पॉट वेरिफिकेशन की कार्यवाही आयकर निदेशक डॉ. सुधाकर एन. शिंदे के निर्देशन में, इंटेलिजेंस एवं क्रिमिनल इन्वेस्टीगेशन विंग भोपाल द्वारा की गई।

यह है आयकर नियम

आयकर अधिनियम की धारा 285 BA के अनुसार को-ऑपरेटिव बैंक्स को भी वित्त वर्ष के दौरान चालू खाते में 50 लाख से ज्यादा एवं बचत खाते में 10 लाख रुपए से अधिक नकद जमा करने एवं 10 लाख से अधिक के फिक्स डिपाजिट बनाने वाले खातों की जानकारी देने की आयकर विभाग को सही-सही एवं पूर्ण जानकारी देने की बाध्यता है।

प्रिंसिपल का मैसेज- फूल तुम्हें भेजा है खत में...

नर्मदापुरम में लेडी टीचर को लिखा-आईलवयू; जांच हुई तो 8 और पीड़िताएं आई सामने

न्यूज क्राइम फाइल

नर्मदापुरम में एक 50 साल के प्राचार्य पर महिला टीचर को I Love You मैसेज भेजने का आरोप है। उन्होंने हिंदी फिल्म का गाना फूल तुम्हें भेजा है खत में लिखकर उनसे जवाब भी मांगा। जब टीचर ने कहा कि आप मेरे पिता जैसे हैं तो उन्होंने प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। मामला जिले के हथवास के एक स्कूल का है। पीड़ित टीचर ने जिला शिक्षा अधिकारी से इसकी शिकायत की थी। मामला सामने आने पर शुक्रवार को जिला शिक्षा अधिकारी ज्योति प्रह्लादी ने तीन सदस्यीय जांच टीम हथवास भेजी। जांच में प्रथम दृष्टया शिक्षिका द्वारा लगाएं आरोप सही पाएं गए। पीड़िता शिक्षिका के अलावा स्कूल की 8 से अधिक महिला शिक्षिकाओं ने भी प्राचार्य पर प्रताड़ना के आरोप लगाए है। जांच टीम की रिपोर्ट पर जिला शिक्षा अधिकारी ने नर्मदापुरम संयुक्त संचालक को

सुरेश श्रीवास्तव,

प्राचार्य सुरेश श्रीवास्तव के सस्पेंड का प्रस्ताव बनाकर भेज दिया है।

प्राचार्य ने मैसेज में लिखा फूल तुम्हे भेजा है खत में

प्राचार्य ने शिक्षिका को जो वॉट्सऐप पर मैसेज भेजे उसमें एक गीत की लाइनें लिखी। फूल तुम्हें भेजा है खत में, फूल नहीं मेरा दिल है तुम बहुत अच्छी लगती हो। I love you ….. and you". आगे लिखाज्मुझे आपका जवाब यस या नो में चाहिए। अगले मैसेज में लिखा स्कूल में तुम सबसे भरोसेमंद हो, आई लव यू, किसी से कहना मत। प्राचार्य ने शिक्षिका के वॉट्सऐप पर ऐसे कई मैसेज भेजे।

शिक्षिका ने लिखित शिकायत की, स्क्रीन शॉट दिए

प्राचार्य के एसएमएस का शिक्षिका ने जवाब में कहा कि आप मेरे पिता जैसे हो। इसके बाद भी जब प्राचार्य नहीं माने तो शिक्षिका ने 17 सितंबर को पिपरिया बीईओ और जिला शिक्षा अधिकारी से प्राचार्य की लिखित शिकायत की। आवेदन में शिक्षिका ने कहा-प्राचार्य बार बार मुझे अभद्र और अनुचित मैसेज भेजते हैं। जब मैंने मना किया तो उन्होंने मुझे अन्य कार्य में लगाकर मुझे मानसिक दबाव दबाव डालने का प्रयास किया। मैं मानसिक रूप से परेशान हूं। अपने कार्य को ढंग से नहीं कर पा रहीं हूं। यह व्यवहार महिला कर्मचारियों के सम्मान के प्रतिकूल है। शिक्षिका ने वॉट्सऐप के मैसेज का स्क्रीन शॉट भी दिए हैं।

मना किया तो प्रताड़ित करना शुरू कर दिया

शिक्षिका का आरोप है कि उसने मैसेज का जवाब दिया कि आप मेरे लिए रिस्पैक्ट फुल पर्सन हैं। मैं ऐसा कुछ नहीं सोचती हूं। एक मैसेज में शिक्षिका ने कहा कि आप रिस्पैक्टेबल टीचर मेरे फादर (पिता) जैसे हैं। इसके बाद प्राचार्य ने उन्हें दूसरी तरह से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। अलग-अलग कार्य में ड्यूटी लगाकर प्रताड़ना देना शुरू कर दिया। टीचर की शिकायत के बाद जांच शुरू की गई।

मारी प्राथमिकता है, स्वच्छता एवं सेवा।
रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

नेटफ्लिक्स की फिल्म से सीखी डकैती, 9 ताले काटे

पोस्ट ऑफिस से 7 लाख चुराने के लिए समय भी गूगल से पूछा; ऑनलाइन बुलाया ग्राइंडर

न्यूज क्राइम फाइल

रतलाम के मुख्य पोस्ट ऑफिस में 9 ताले ग्राइंडर कटर से काट करीब साढ़े 7 लाख रुपए चुरा लिए गए। चोर गिरफ्त में आया तो पता चला कि उसकी उम्र 28 साल है, लेकिन शातिर इतना कि पुलिस का दिमाग भी कहानी सुन चकरा गया। चोरी के पहले उसने ओटीटी पर डकैती वाली फिल्म देखी थी कि वारदात के बाद कैसे बचा जा सकता है। पकड़े गए तो, कितनी सजा होगी... यूट्यूब पर सर्च कर यह सबकुछ भी जाना था। पुलिस के अनुसार, आरोपी के मोबाइल से पता चला कि उसने गुगल पर सर्च किया था कि चोरी कितने बजे करनी चाहिए। कब पुलिस की गश्त कम रहती है। पहले उसने बैंक डकैती की प्लानिंग की, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था तगड़ी होने के कारण प्लान बदल दिया। चोरी तो करनी ही थी, इसलिए बैंक की जगह पोस्ट ऑफिस को निशाना बना लिया। इस चोरी ने पुलिस की नींद उड़ा दी। डीजीपी खुद टीम से हर घंटे अपडेट लेते रहे। चोर ने पुलिस से बचने के लिए हर पैंतरा अपनाया, लेकिन एक क्लू से वह सलाखों के पीछे पहुंच गया। रतलाम जिले के सैलाना बस स्टैंड के पास मुख्य पोस्ट ऑफिस से 28 अगस्त को 7 लाख 4 हजार 339 रुपए चोरी हो गए। चोर चैनल गेट पर लगे 3 और मेन गेट पर लगे 2 ताले ग्राइंडर से काटकर अंदर घुसा। कोषालय के गेट पर लगे 4 चार ताले भी ग्राइंडर से काटे, लेकिन इसका इंटरलॉक नहीं खुला तो खिड़की की जाली ग्राइंडर से काटकर अंदर घुसा। चोर रात 3.23 बजे पोस्ट ऑफिस परिसर में बाउंड्रीवॉल कूदकर घुसा। रात को 4.26 बजे फिर से बाउंड्रीवॉल कूदकर बाहर निकला। यहां से पैदल ही सैलाना बस स्टैंड होते हुए रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 4 तक पहुंचा। पुलिस को गुमराह करने के लिए चोर वहां से ऑटो से पोस्ट ऑफिस के पास स्थित बाल चिकित्सालय आया और यहां खड़ी अपनी बाइक लेकर गया। पोस्ट ऑफिस पर रात को चौकीदार हरचंद की ड्यूटी थी। वह रात 2 बजे पीछे जाकर सो गया था। इसी का फायदा उठाकर उसने चोरी की। पोस्ट ऑफिस अधीक्षक राजेश कुमावत ने पुलिस को बताया कि सुबह पौने 6 बजे चौकीदार ने कॉल किया कि मेन गेट के ताले टूटे हुए हैं। तत्काल पुलिस को कॉल किया। सीसीटीवी फुटेज में रेन कोट पहने और मुंह पर कपड़ा बांधे चोर कोषालय में घूमते और खिड़की से कूदकर निकलते दिखा। उसकी पीठ पर बैग भी टंगा था, जिसमें वह रुपए ले गया। मेन गेट के ताले ग्राइंडर से तोड़ते समय निकलने वाली चिंगारी भी सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई। पोस्ट ऑफिस के गेट पर एक सब्बल मिली। सूचना के बाद मौके पर एफएसएल की टीम और डॉग स्क्वाड पहुंची। साथ ही एसपी अमित कुमार, एएसपी राकेश खाखा, सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया, स्टेशन रोड थाना टीआई स्वराज डाबी, माणक चौक थाना टीआई अनुराग यादव भी पहुंचे। टीम ने पाया कि पोस्ट ऑफिस के पास बने आधार केंद्र के यहां लगा सीसीटीवी कैमरा बंद है। मेन गेट पर कैमरा लगा होने से चोर बाउंड्रीवॉल कूदकर अंदर घुसा और उसी रास्ते से बाहर गया। सीसीटीवी फुटेज में चोर मेडिकल कॉलेज के रास्ते बंजली होकर सेजावता बायपास से जावरा की ओर बाइक से जाता दिखा। पुलिस ने 4 टीमें बनाईं, साथ ही सीसीटीवी फुटेज से चोर को तलाशना शुरू किया। 72 घंटे की मशक्कत के बाद रेनकोट की मदद से पुलिस आरोपी तक पहुंच गई। आरोपी रतलाम के जावरा तहसील के 1500 की आबादी वाले गांव बिनोली का रहने वाले अमृत सिंह (28) पिता विक्रमसिंह सोलंकी निकला। उसने 9 ताले इलेक्ट्रिक ग्राइंडर से काटकर कोषालय की एक पेटी से रुपए चोरी किए थे। हालांकि कोषालय के अंदर एक अलमारी भी रखी थी, जिसमें करीब 50 लाख से अधिक रुपए थे। यहां तक चोर पहुंच नहीं पाया। क्योंकि उसे पहले ही कुछ रुपए मिल गए थे।

अमृत सिंह, आरोपी

रेन कोट से गिरफ्त में आए चोर ने पुलिस को बताई कहानी...

अमृत ने पुलिस को बताया कि मां बीमार है। काफी कर्ज हो चुका है। इलाज कराने के लिए भी रुपए नहीं थे। ऐसे में समझ नहीं आ रहा था, क्या करूं। काम-धंधा भी सही से मिल नहीं पा रहा था। एक दिन ओटीटी पर ज्वेल थीफ-द हीस्ट व मनी हाइस्ट फिल्म देखी। फिल्म डकैती की कहानी पर आधारित है। यहीं से चोरी का आइडिया आया। फिल्म देखने के बाद यूट्यूब पर चोरी के बाद बचने के तरीके खोजे। चोरी के बाद कितने साल की सजा होती है। कैसे बचा जा सकता है, यह समझा। तीन माह से चोरी का प्लान तैयार करता रहा। पहले बैंक में सेंधमारी का सोचा। वहां रेकी की तो सुरक्षा तगड़ी मिली। अकेले के बस का यह काम नहीं था। जिस पोस्ट ऑफिस में चोरी की वारदात को अंजाम दिया, उसी में मेरा अकाउंट भी है। 1 मार्च 2024 में इसे खुलवाया था। 23 जुलाई 24 को आखरी बार 500 रुपए निकाले थे।

मौत से पहले युवती बोली- अंकित परेशान कर रहा

न्यूज क्राइम फाइल

ग्वालियर में 18 साल की लड़की का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो उसे परेशान करने वाले लड़के का नाम ले रही है। माता-पिता उससे बात करते हुए दिख रहे हैं, इसी दौरान वह अंकित का नाम लेती है। झांसी रोड थाना प्रभारी शक्ति सिंह यादव ने बताया, बड़ोरी गांव में 14 अगस्त को अनामिका कुशवाहा ने जहर खा लिया था। परिजन उसे गंभीर हालत में अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने तब मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी थी। अब 24 सितंबर बुधवार को पुलिस ने एफआईआर दर्ज की और आरोपी को तलाशने में जुट गई है। युवती की मौत के पहले का वीडियो सामने आया है।

वीडियो में युवती अपने माता-पिता से कह रही है...

पापा, अंकित मुझे मिलने के लिए दबाव डालता था। जब मैं मना करती थी, तो वह कहता था कि तेरा कॉलेज छोड़वा दूंगा और तुझे बदनाम कर दूंगा।

41 दिन बाद दर्ज हुआ केस

यह वीडियो अनामिका के पिता दशरथ कुशवाहा ने साझा किया है। उन्होंने कहा कि बेटी की मौत के लिए जिम्मेदार अंकित को वे सलाखों के पीछे देखना चाहते हैं। पुलिस ने परिजनों के बयान, वीडियो और कॉल डिटेल्स के आधार पर 40 दिन बाद अंकित कुशवाहा के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। आरोपी फिलहाल फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस संबंधित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पिता ने दशरथ कुशवाहा बताया कि आरोपी अंकित कुशवाहा उनका रिश्तेदार है। उसके परिवार के कल्याण सिंह ने अंकित को कहा था कि वह अनामिका से शादी करवाने में मदद करेगा। इसके बाद अंकित बेटी के पीछे पड़ गया था। उसके पीछे कॉलेज तक जाने लगा था। अंकित ने कसम देकर मोबाइल पर बात करने और मिलने का दबाव बनाया। जब पत्नी को पता चला तो उसने अंकित को फोन पर समझाया कि वह बेटी को परेशान न करे। इसके बावजूद अंकित ने कुछ दिन बाद फिर से बेटी से बात करने का दबाव बनाने लगा। अनामिका अंकित से पांच साल पहले एक शादी में मिली थी। दोस्ती के बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई थी। अंकित ने युवती को मोबाइल दिलाया था।

भाजपा चाहे जितने भी झूठ और ध्यान भटकाने की साज़िश करे, हम अतिपिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और पिछड़े समाज को उनका पूरा हक़ दिलाने के लिए संकल्पित हैं।
नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

झूठी शिकायत कर ब्लैकमेल करने वालों पर सख्ती

सीएम हेल्पलाइन में झूठी शिकायत करने वालों की बनेगी फाइल, कलेक्टरों से मांगी ब्लैकमेलर्स की रिपोर्ट

न्यूज क्राइम फाइल

मुख्यमंत्री मोहन यादव सरकार ने अब झूठी शिकायतें कर अधिकारियों-कर्मचारियों को ब्लैकमेल करने वालों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। लोक सेवा प्रबंधन विभाग ने सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी करते हुए ऐसे लोगों की जानकारी तय फार्मेट में तलब की है। निर्देशों में कहा गया है कि सीएम हेल्पलाइन पोर्टल या अन्य प्लेटफॉर्म पर कुछ लोग आदतन व झूठी शिकायतें दर्ज कराते हैं, जिनका मकसद केवल दबाव बनाना और ब्लैकमेल करना होता है। ऐसे मामलों को ध्यान में रखते हुए अब हर जिले से रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी जाए।

अधिकारी अपनी टिप्पणी के साथ भेजेंगे जानकारी

इसके लिए शासन ने एक फार्मेट भी जारी किया है, जिसमें शिकायतकर्ता का नाम, मोबाइल नंबर, अब तक की गई कुल शिकायतों की संख्या और उसके बारे में अधिकारियों की टिप्पणी दर्ज की जाएगी। यह जानकारी लेवल अधिकारियों की लॉगिन आईडी के जरिए पोर्टल पर दर्ज की जाएगी। गौरतलब है कि सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा बैठकों में बार-बार यह तथ्य सामने आया है कि कुछ लोग फर्जी शिकायतें कर अफसरों-कर्मचारियों को परेशान करते हैं। मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव पहले ही ऐसे मामलों में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दे चुके हैं। अब पहली बार सरकार ने बाकायदा आदेश जारी कर कलेक्टरों से रिपोर्ट तलब की है।

ग्रामीण विकास भी लिख चुकी हैं चिट्ठी

प्रमुख सचिव पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग दीपाली रस्तोगी ने मार्च में इसी तरह के मामले में पत्र लिखा था। इसमें कहा गया कि जिला पंचायत सिवनी के द्वारा जानकारी दी गई है कि सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर शिकायत के निराकरण के समय कम्प्लैन करने वाले अलग-अलग योजनाओं और विभागों में बार-बार एक ही प्रकार की शिकायतें करते हैं। यह कम्प्लेन ब्लैकमेल किए जाने के लिए की जाती हैं। इसकी पुष्टि इससे होती है कि जब शिकायतों का निराकरण किए जाने के बाद दूरभाष के जरिए शिकायत कर्ता की संतुष्टि के लिए कॉल किया जाता है और शिकायत बंद करने को कहा जाता है तो शिकायत बंद करने के बदले अवैध रूप से राशि मांगी जाती है। सिवनी में इस तरह का एक शिकायत कर्ता सामने आ चुका है जिसके विरुद्ध पुलिस में कम्प्लेन भी हुई है। ऐसी स्थिति की जानकारी दूसरे जिलों से भी समय समय पर आ रही है।

रिकार्डिंग रखने को कहा था प्रमुख सचिव ने

पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव रस्तोगी ने कहा है कि ऐसे मामलों को देखते हुए शिकायत कर्ता से किए गए वार्तालाप की रिकार्डिंग पोर्टल में अपलोड करने का विकल्प उपलब्ध होना चाहिए। साथ ही ऐसे शिकायतकर्ताओं द्वारा की जा रही कम्प्लेन टीप के आधार पर ऑटो क्लोज किए जाने का भी प्रावधान किया जाना चाहिए, जिससे सीएम हेल्पलाइन के दुरुपयोग को रोका जा सके।

केस 1

मैहर जिले के सीएम हेल्पलाइन की शिकायत कटवाने गोशाला के नाम पर शिकायतकर्ता ने दो हजार रुपए की मांग की। महिला कृषि विस्तार अधिकारी से अमरपाटन मौहट के राजेंद्र सिंह ने यह राशि मांगी थी। इस बारे में जानकारी सामने आई कि महिला अधिकारी ने विभागीय योजनाओं की जानकारी के लिए प्रगतिशील किसानों का एक वॉट्सऐप ग्रुप बना रखा है। इसमें अनावश्यक कमेंट करने पर महिला अधिकारी ने किसान राजेंद्र सिंह को ग्रुप से बाहर कर दिया। इसे अपना अपमान बताते हुए राजेंद्र ने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की। वरिष्ठ अधिकारियों की समझाइश पर राजेंद्र को ग्रुप में जोड़ने के बाद महिला अधिकारी ने सॉरी भी लिखा लेकिन राजेंद्र ने शिकायत कटवाने के लिए किसी अन्य द्वारा जमा चालान की राशि का हवाला देकर गोशाला के नाम पर 2000 रुपए मांगे थे।

केस -2

सिवनी जिले के शुभम खवासे निवासी शिवालय चौक महामाया वार्ड भैरोगंज ने सीएम हेल्पलाइन में अलग-अलग विभागों से संबंधित 45 शिकायतें सीएम हेल्पलाइन में कीं। इसके बाद शिकायत के आधार पर कर्मचारियों व अफसरों को ब्लैकमेल किया। खवासे द्वारा शिकायत का निराकरण करने के बाद संतुष्टि के लिए किए जाने वाले कॉल के दौरान संबंधित कर्मचारियों से शिकायत वापस लेने के बदले पैसे की मांग की जाती रही। इसकी शिकायत सिवनी कोतवाली पुलिस को सौंपी गई। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव दीपाली रस्तोगी ने इसका जिक्र लोक सेवा प्रबंधन के एसीएस को लिखे पत्र में किया था और कहा कि ऐसे मामलों में कार्रवाई की स्थिति साफ की जानी चाहिए।

सिवनी में दुर्गा पंडाल में दलित को पूजा करने से रोका

न्यूज क्राइम फाइल

सिवनी में दुर्गा पंडाल में दलित को पूजा करने से रोक दिया। पीड़ित मंदिर में चंदा देने गया, तो उसे यह कहकर भगा दिया कि हरिजन को मंदिर में नहीं चढ़ने देंगे। चंदा भी नहीं लेंगे। पुलिस ने मामले में एससी-एसटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। तीनों आरोपी फरार हैं। मामला 24 सितंबर का है। इसका वीडियो शुक्रवार को सामने आया। जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूर छपारा थाना क्षेत्र में सादक सिवनी गांव है। आबादी करीब 1480 लोगों की है। यहां साहू, यादव, ओबीसी, एससी-एसटी और सामान्य जाति के लोग रहते हैं।

पहले रास्ते में रोककर जान से मारने की धमकी

पीड़ित श्यामलाल अहिरवार ने बताया कि गांव में खेरमाई मंदिर है। यहां चबूतरे पर ही नवदुर्गा में चंदा इकट्ठा कर मूर्ति स्थापित की है। गांव के श्यामलाल अहिरवार ने बताया कि 24 सितंबर की सुबह 9-10 बजे पत्नी संतोषीबाई व बेटे के साथ मंदिर में पूजा करने गए। वहीं से खेत पर चले गए। लौटने पर चंदा देने के लिए मंदिर के पास पहुंचा। यहां गांव के मेहरबान सिंह ठाकुर ने रोक लिया। कहा- तेरी बहुत शिकायत मिल रही है। तू दुर्गाजी के पंडाल और मंदिर में अंदर जाकर पूजा करने की हिम्मत कैसे हुई। तेरे पूर्वजों ने मंदिर के बाहर से पूजा करते थे। मैंने कहा कि सिर्फ पूजा ही तो किया है, इसमें क्या गलती है। इस पर मेहरबान ने कहा कि ज्यादा बोलता है। मार डालेंगे तुझे। डर के मारे मैं वहां से चला गया।

पूजा करने से रोका, चंदा भी नहीं लिया

श्यामलाल ने बताया कि उसी दिन सुबह करीब 10:45 बजे चंदा देने के लिए मंदिर पहुंचा। मंदिर के सामने नरेश ठाकुर, नारायण यादव, पंडा धीरज पंचेश्वर, नारायण डेहरिया, राजकुमार पंचेश्वर, कल्लू कौशले समेत अन्य लोग बैठे थे। यहां नरेश और नारायण ने गाली-गलौज शुरू कर दी। चंदा लेने से भी इनकार कर दिया। हरिजन को मंदिर पर नहीं चढ़ने देंगे। इसका चंदा भी नहीं लेंगे। बहस के दौरान करीब 11:30 बजे भतीजा दयाराम अहिरवार भी पंडाल में चंदा देने पहुंचा। दयाराम ने बताया कि मैं चबूतरे पर चढ़ने लगा, तो चबूतरे पर मौजूद नारायण यादव और अन्य लोगों ने कहा- तुम छोटी जाति के हो, नीचे उतरो। यह कहकर नीचे उतार दिया। यही नहीं, डंडा लेकर मारने भी दौड़े। इसकी शिकायत छपारा थाने में भी की है। ग्राम पंचायत सचिव नेपाल चंद्रवंशी का कहना है कि 24 सितंबर को सरकारी काम से गांव से बाहर था। सामान्य दिनों के तरह लोग पूजा करने आना जाना कर रहे हैं।

मामले की चल रही जांच

थाना प्रभारी खेमेन्द्र जैतवार ने बताया है कि मामले में नारायण यादव, नरेश ठाकुर और मेहरबान सिंह ठाकुर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। तीनों आरोपी फरार हैं। इनकी तलाश की जा रही है। घटना का वीडियो भी अपने मोबाइल में रिकॉर्ड किया है। वहीं, लखनादौन एसडीएम रवि कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी लगी है। फिलहाल कुछ समझ नहीं आ रहा है। पुरानी दुश्मनी नहीं थी। हो सकता है कि इसके पीछे कोई और कारण हो। मामले की जांच चल रही है।

मंदसौर के पूर्व विधायक, पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष, हम सभी के अत्यंत आदरणीय स्व. श्री ओमप्रकाश पुरोहित जी की पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि एवं कोटि-कोटि नमन।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

मां के सामने 5 साल के बेटे का सिर काटा

हथियार लेकर घर में घुसे युवक ने किए दो टुकड़े; लोगों ने आरोपी को पीट-पीटकर मार डाला

न्यूज क्राइम फाइल

धार में घर में घुसकर 5 साल के बच्चे की हत्या कर दी गई। आरोपी ने धारदार हथियार से मासूम के दो टुकड़े कर दिए। बचाने आई मां पर भी हमला किया। आरोपी की पहचान महेश मायड़ा निवासी जोबट के रूप में हुई है। फिलहाल, वारदात की वजह का पता नहीं चल पाया है। मामला कुक्षी थाना इलाके के आली गांव में सुबह करीब 10:30 बजे का है। यहां धूलबहेड़ी मोहल्ले में बच्चा अपनी मां के साथ घर में था। आरोपी बाइक से वहां पहुंचा। घर में घुसा और धारदार हथियार से बच्चे पर ताबड़तोड़ वार किए। आरोपी ने भागने की कोशिश की, तो परिजन और गांव वालों ने उसे पकड़ कर बांध दिया। उसकी जमकर पिटाई भी की। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे छुड़वाया। उसे मेडिकल के लिए ले जाया गया। यहां उसकी मौत हो गई।

पिता और मां घर के अंदर थे

पुलिस के मुताबिक, कुक्षी से करीब सात किलोमीटर दूर आली गांव में कालू सिंह परिवार के साथ रहते हैं। शुक्रवार सुबह घर में कालू सिंह, उनकी पत्नी सोना बाई और 5 साल का बेटा विकास था। सोना बाई घर में काम कर रही थी जबकि विकास आंगन में खेल रहा था। इसी दौरान बाइक सवार महेश वहां पहुंचा। आते ही उसने बच्चे के सिर और हाथ पर वार कर दिया। पलक झपकते ही विकास का सिर, धड़ से अलग हो गया। सोना बाई बचाने आई, तो महेश ने उसके कंधे और हाथ में हमला किया। शोर सुनकर गांव के लोग दौड़े।

विकास भूरिया, मृतक

सुबह से बाइक लेकर घूम रहा था

सोना बाई ने बताया कि आरोपी सुबह से बाइक लेकर गांव में घूम रहा था। वह घर में कब घुस गया, पता नहीं चला। कुक्षी थाना प्रभारी राजेश यादव ने कहा- आरोपी ने बच्चे की गर्दन पर वार किया था। एफएसएल टीम भी साक्ष्य जुटाने के लिए पहुंची है।

एसपी ने कहा- लोगों ने आरोपी को पीटा, मौत

धार एसपी मयंक अवस्थी ने बताया कि आरोपी मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया जा रहा है। उसके परिजन के मुताबिक कई दिन से वह घर से गायब था। शुक्रवार को एक घर में घुसकर बच्चे की धारदार हथियार से हत्या कर दी। परिजन और लोगों ने उसे बांधकर पीटा। अस्पताल में इलाज के दौरान आरोपी की भी मौत हो गई।

महिला बोली- पुलिस ने लात-घूसों और पाइप से पीटाः आष्टा में कहा- पेट में गांठ फट गई, चोरी के झूठे केस में थाने ले गई थी

न्यूज क्राइम फाइल

सीहोर जिले के आष्टा में एक महिला ने एक परिवार और पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाया था। 15 सितंबर को महिला पर चोरी का आरोप लगा था, जिसके बाद उसने 20 सितंबर को शिकायत की थी। आज 26 सितंबर को आष्टा एसडीओपी ने आरोपों को निराधार बताया है। किले पर रहने वाली यह महिला घरों में झाड़ू-पोछा का काम करती है। जिस परिवार के यहां वह काम करती थी, उन्होंने उस पर पैसे चोरी करने का आरोप लगाया था। महिला का कहना है कि परिवार और आष्टा पुलिस ने उसके साथ मारपीट की और उसे प्रताड़ित किया।

ये है पूरा मामला

पीड़ित नूरजहां ने बताया कि जिस परिवार में वह काम करती थीं, उन्होंने उन पर एक लाख चालीस हजार रुपए की चोरी का झूठा आरोप लगाकर 19 सितंबर को शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बिना एफआईआर दर्ज किए ही मुझे हिरासत में लेने के लिए जवान भेजे। जब मुझे थाने ले जाया गया, तो मेरे पति और भाई को नीचे रोक दिया गया, जबकि उन्हें थाने के ऊपरी कमरे में ले जाया गया। वहां एक महिला कॉन्स्टेबल और दो पुरुष जवानों ने मुझे पाइप और लात-घूसों से पीटा। इससे मुझे पेट में एक गांठ फट गई, जिससे मुझे असहनीय पीड़ा सहनी पड़ी। मैं कैंसर की पेशेंट हूं। मारपीट के बाद मुझे तुरंत नगर के सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया। हालत बिगड़ने पर मुझे पहले सीहोर और फिर भोपाल रेफर किया गया। घटना के पांच दिन बाद भोपाल के डॉक्टर्स ने मेरी गंभीर स्थिति को देखते हुए मेरा इलाज संभव नहीं बताया और मुझे परिजन को सौंप दिया। मेरे 5 बच्चे हैं, मैं उनकी कसम खाती हूं कि मैंने चोरी नहीं की। अब मेरे छोटे-छोटे पांच बच्चों का भरण पोषण कैसे होगा। अभी तक मैं लोगों के घरों में बर्तन झाड़ू पोछा करके उनको पाल रही थी

पुलिस ने आरोपों को बताया झूठा

इस मामले में आष्टा एसडीओपी आकाश अमलकर ने आरोपों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि महिला झूठ बोल रही है और उसके साथ कोई मारपीट नहीं की गई है। जिस परिवार पर मारपीट का आरोप लगा है, उसके सदस्य अरशद भाई ने बताया कि महिला गलत आरोप लगा रही है। उन्होंने कहा कि परिवार ने महिला का हमेशा साथ दिया है और उन्हें सिर्फ अपने चोरी हुए पैसे वापस चाहिए। परिवार या उन्होंने महिला के साथ कोई मारपीट नहीं की। आष्टा थाना प्रभारी गिरीश दुबे ने भी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके थाने में या बाहर किसी भी पुलिसकर्मी ने महिला के साथ कोई मारपीट नहीं की है। महिला के लगाए गए आरोप पूरी तरह गलत हैं।

आज नई दिल्ली स्थित कृषि भवन में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री @CRPaatil जी के साथ मनरेगा के अंतर्गत जल सुरक्षा पर राष्ट्रीय पहल का शुभारंभ किया।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

राजस्थान पेपरलीक का सेंटर बन गया था; वसुंधरा राजे से मंच पर की चर्चा

बांसवाड़ा में मोदी बोले-कांग्रेस राज में लूट ही लूट थी

संदीप कुमार सिंह

बांसवाड़ा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- कांग्रेस राज में लूट ही लूट थी। भाजपा सरकार में बचत ही बचत है। तभी देश जीएसटी बचत उत्सव मना रहा है। उन्होंने कहा- कांग्रेस सरकार में राजस्थान पेपरलीक का सेंटर बन गया था। जल जीवन मिशन भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया था। महिलाओं पर अत्याचार चरम पर था। बलात्कारियों को संरक्षण दिया जा रहा था। बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ में अपराध और अवैध शराब का कारोबार खूब पनपा। कांग्रेस सरकार ने राजस्थान को लूटकर जो जख्म दिए, उन्हें भरने का काम हमारी सरकार कर रही है। मोदी गुरुवार को नापला में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने राजस्थान की 1 लाख 22 हजार 670 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास-लोकार्पण किया। पीएम ने कहा- कांग्रेस सरकार 100 रुपए की खरीद पर 31 रुपए टैक्स लेती थी। 2017 में यही सामान 118 रुपए में आने लगा। अब जीएसटी में बदलाव के बाद 105 रुपए देना पड़ता है। कांग्रेस की तुलना में 26 रुपए बचत हो रही है। कांग्रेस के राज में आपको 500 रुपए का जूता 575 रुपए का आता था। कांग्रेस 500 रुपए के जूते पर 75 रुपए टैक्स वसूलती थी। नवरात्र के पहले दिन जीएसटी में बहुत बड़ा सुधार किया है। भारत जीएसटी बचत त्योहार मना रहा है। घर में माताओं-बहनों के लिए रसोई का खर्च कम हो गया है।

1. देशवासियों से आह्वान किया- हम जो खरीदेंगे, स्वदेशी खरीदेंगे

पीएम ने कहा- हमारा एक और लक्ष्य है। आत्मनिर्भर भारत का। हम किसी और पर निर्भर नहीं रहे। इसका रास्ता जाता है स्वदेशी के मंत्र से। स्वदेशी के मंत्र को भूलना नहीं है। मैं सभी से आग्रह करूंगा खासकर दुकानदार भाइयों से आग्रह करूंगा कि हम जो बेचेंगे वे स्वदेशी ही बेचेंगे। मैं देशवासियों से आग्रह करूंगा- हम जो भी खरीदेंगे स्वदेशी ही खरीदेंगे। हम दुकानदार को पूछेंगे ये स्वदेशी है या नहीं है। मेरी स्वदेशी की व्याख्या सिंपल है। कंपनी और ब्रांड दुनिया के किसी भी देश का हो, लेकिन वह हमारे हिंदुस्तान में बना हुआ होना चाहिए। हिंदुस्तान के नौजवानों की मेहनत का बना हुआ होना चाहिए। मेरे देश के लोगों की पसीने और यहां की मिट्टी की महक हो, वो सब मेरे लिए स्वदेशी है। इसलिए मैं सभी दुकानदारों भाइयों से कहता हूं कि आप बोर्ड लगाइए- गर्व से कहो ये स्वदेशी है।

2. कांग्रेस राज में बिजली आना न्यूज होती थी

पीएम ने कहा-बिजली है तो दुनिया हमारे पास है। हालांकि हमारे देश में कांग्रेस की सरकार ने बिजली के महत्व पर ध्यान ही नहीं दिया। साल 2014 में जब आपने मुझे सेवा का मौका दिया और मैंने दायित्व संभाला, तब देश के ढाई करोड़ घर ऐसे थे, जहां बिजली का कनेक्शन नहीं ?था। आजादी के 70 साल के बाद भी बिजली नहीं थी। गांवों में पोल तक नहीं थे। गांवों में तो 4 से 5 घंटे बिजली आ जाए तो बड़ी बात होती थी। लोग चुटकला सुनाते थे कि हमारे यहां बिजली गई ये न्यूज नहीं थी, बिजली आई ये न्यूज थी। हमारे यहां 1 घंटे बिजली आई इसका चुटकला सुनाते थे। बिजली जाना नहीं, बिजली आना न्यूज हुआ करती थी।

3. कांग्रेसी क्यों गुस्से में रहते हैं, कारण बताया

आज से 11 साल पहले कांग्रेस के समय हालात कितने खराब थे और खराब क्यों थे। क्योंकि कांग्रेस सरकार देशवासियों के ही शोषण में लगी थी। कांग्रेस सरकार देश के लोगों को ही लूट रही थी। कांग्रेस के समय में टैक्स और महंगाई दोनों आसमान में थी। आप ने जब मोदी को आशीर्वाद दिया, तब हमारी सरकार ने कांग्रेस की लूट को बंद किया। साथियों ये आजकल मुझ पर बहुत गुस्से में रहते हैं, इसका कारण भी यही है।

4. आदिवासी समाज के लिए भाजपा सरकार ने काम किया

आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती है। उन्होंने हमें अंत्योदय का सिद्धांत दिया था। उनका यह विजन हमारा मिशन बन गया है। आज हम सबके लिए काम कर रहे हैं। कांग्रेस ने आदिवासी समाज को नजरअंदाज किया। ये भाजपा सरकार है, जिसने आदिवासी मंत्रालय बनाया। उसके पहले आदिवासियों के लिए मंत्रालय नहीं बना था। कांग्रेस के दौर में कोई कल्पना नहीं कर सकता था कि आदिवासी आंचल में इतनी बड़े प्रोजेक्ट आएंगे। भाजपा के प्रयास से ही आज गरीब आदिवासी परिवार की बेटी द्रौपदी मुर्मू देश की राष्ट्रपति बनीं।

दिल्ली यौन शोषण केस-छात्राओं को आई लव यू मैसेज भेजा

न्यूज क्राइम फाइल

दिल्ली के वसंत कुंज स्थित श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट-रिसर्च में खुद को गॉडमैन बताने वाले स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थसारथी पर कई छात्राओं के यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगा है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी छात्राओं को धमकाकर, अश्लील मैसेज भेजकर और विदेश यात्रा का लालच देकर अपने जाल में फंसाता था। उसने कई बार स्टूडेंट को देर रात कमरे में बुलाया और कम ग्रेड देने की धमकी दी। जांच के दौरान बरामद वॉट्सएप मैसेज में सामने आया कि चैतन्यानंद छात्राओं को बेबी, आई लव यू, आई अडोर यू जैसे मैसेज भेजता था। इसके साथ ही उनके बालों और कपड़ों की भी तारीफ करता था। पुलिस की जांच में सामने आया है कि तीन महिला वार्डन और फैकल्टी भी आरोपी की मदद करती थीं। वे छात्राओं पर दबाव डालकर चैट्स डिलीट करवातीं और उन्हें चुप रहने के लिए कहती थीं। आरोपी अभी फरार है और उसकी आखिरी लोकेशन आगरा में मिली थी। दिल्ली पुलिस की कई टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं।

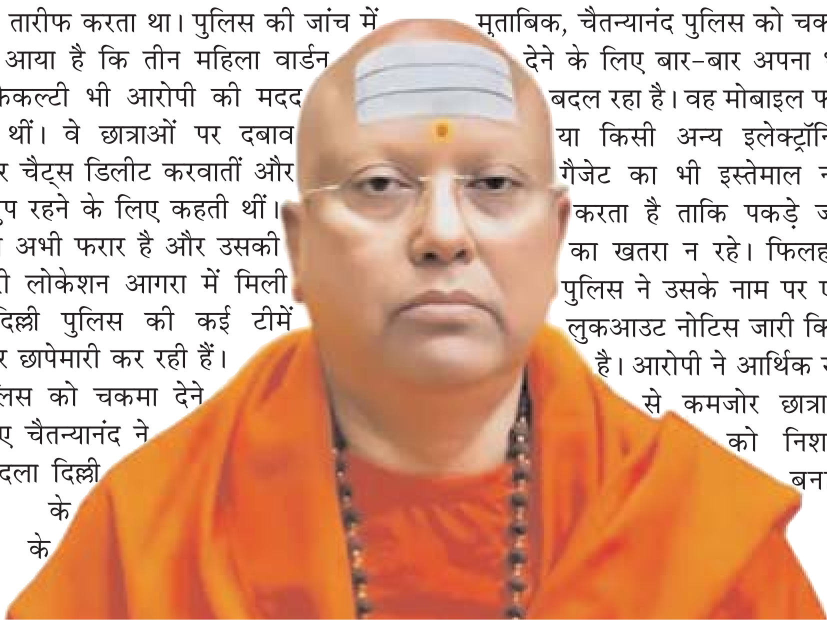

पुलिस को चकमा देने के लिए चैतन्यानंद ने भेष बदला दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, चैतन्यानंद पुलिस को चकमा देने के लिए बार-बार अपना भेष बदल रहा है। वह मोबाइल फोन या किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का भी इस्तेमाल नहीं करता है ताकि पकड़े जाने का खतरा न रहे। फिलहाल पुलिस ने उसके नाम पर एक लुकआउट नोटिस जारी किया है। आरोपी ने आर्थिक रूप से कमजोर छात्राओं को निशाना बनाया आरोपी ने ईडब्ल्यूएस कोटे की छात्राओं को टारगेट किया क्योंकि वे आर्थिक रूप से कमजोर थीं और स्कॉलरशिप पर पढ़ रही थीं। पुलिस ने बताया, 32 छात्राओं से पूछताछ हुई, जिनमें से 17 ने सीधे यौन उत्पीड़न व मानसिक प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराई।

अब तक 16 छात्राएं मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज करा चुकी हैं। यह भी खुलासा हुआ कि कुछ छात्राओं को आरोपी की ओर से विदेश टूर का झांसा भी दिया गया था। छात्राओं को कमरे में बुलाता और कम ग्रेड देने की धमकी देता पुलिस की जांच में सामने आया है कि चैतन्यानंद ने छात्राओं को डराने-धमकाने और लालच देने की रणनीति अपनाई। वह अक्सर अश्लील मैसेज भेजता था।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623